Publication Name: Dainik Hawk
Publication Date: 02/03/2026
Edition: Haridwar
Page No: 9
CCM: 167.79

Model Cooperative Villages to be established in all districts, 50 secretaries will go to Gujarat

संक्षिप्त समाचार

सभी जिलों में स्थापित होंगे मॉडल सहकारिता गांव, 50 सचिव जाएंगे गुजरात

देहरादून, एजेंसी। प्रदेश में सहकारिता आंदोलन के विस्तार को हर जिले में एक-एक मॉडल सहकारिता गांव स्थापित किया जाएगा. इस योजना को धरातल पर जल्द से जल्द उतारने के लिए विभागीय मंत्री धन सिंह रावत ने विभागीय अधिकारियों को विस्तृत रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए हैं. दरअसल, सहकारिता मंत्री धन सिंह रावत ने शनिवार को विभागीय अधिकारियों की बैठक ली. जिसमें उन्होंने संस्कृत गांव की तर्ज पर हर जिले में मॉडल सहकारिता गांव विकसित करने के निर्देश दिये हैं. बैठक के दौरान मंत्री ने कहा कि इन गांवों में सहकारी बैंक, सीएससी सेंटर और सहकारी बाजार की स्थापना की जाएगी. सहकारी बाजार स्थानीय महिला स्वयं सहायता समूहों, किसान समूहों और ग्रामीण उत्पादकों को अपने उत्पादों के विपणन के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध करेगा. उन्होंने कहा इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बेहतर करना, रोजगार के अवसर बढ़ाना और सहकारिता आधारित आत्मनिर्भर मॉडल विकसित करना है. समीक्षा बैठक में मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सहकारी समितियों के 50 सचिवों को अध्ययन भ्रमण के लिए गुजरात भेजा जाए. भ्रमण में विशेष रूप से शैशवावस्था में काम कर रही समितियों के सचिवों को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि वे सफल मॉडलों का अध्ययन कर अपनी समितियों को सशक्त बना सकें. इसके साथ ही होली के बाद संयुक्त निबंधक, अपर निबंधक और प्रभारी अधिकारी अपने-अपने जिलों में ब्लॉक स्तर पर समीक्षा बैठकें करेंगे. घाटे में चल रही समितियों को उबारने के लिए ग्राउंड जीरो पर रणनीति बनाकर ठोस कार्ययोजना लागू की जाएगी. विभागीय मंत्री ने सभी पैक्स और एपेक्स समितियों की नियमित बोर्ड बैठकें अनिवार्य रूप से आयोजित करने के निर्देश दिए.झ सहकारी समितियों और सहकारी बैंकों में शत-प्रतिशत नियुक्तियां आईबीपीएस के जरिए पारदर्शी ढंग से किए जाने और 15 मार्च तक भर्ती विज्ञापन जारी करने के निर्देश भी दिए. इसके अलावा, भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय की तर्ज पर प्रदेश में भी सोशल मीडिया के जरिए योजनाओं एवं सफलताओं का व्यापक प्रचार-प्रसार स्थानीय बोली-भाषा में करने के निर्देश दिए गए, ताकि सहकारिता आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाया जा सके. धन सिंह रावत ने कहा मॉडल सहकारिता गांव प्रदेश में सहकारिता के सशक्त, आत्मनिर्भर और समावेशी विकास का आधार बनेंगे. आने वाले समय में यह पहल ग्रामीण विकास की नई मिसाल स्थापित करेगी.